बालसाहित्यकारों के रचना-पाठ के साथ संपन्न हुआ साहित्य अकेदमी का आठ दिवसीय पुस्तकायन

निष्पक्ष पोस्ट। नई दिल्ली। 18 नवंबर, 2022,केंद्रीय साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित बालसाहित्य विषयक पुस्तक मेला पुस्तकायन के आठवें व अन्तिम दिन समकालीन बालसाहित्यकारों के रचना-पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सुविख्यात साहित्यकार योगेंद्रदत्त शर्मा की अध्यक्षता में रचना-पाठ संपन्न हुआ जिसमें बालसाहित्यकार घमंडी लाल अग्रवाल, सूर्यनाथ सिंह, दिशा ग्रोवर, डॉ वेद मित्र शुक्ल, ऋषि राज, एवं वेलु सरवणन ने अपने अपने बालसाहित्य से प्रतिनिधि रचनाओं का पाठ

किया। सूर्यनाथ सिंह ने भुलई काका नामक चरित्र को केंद्र में रखते हुए समाप्त हो रही गँवई संस्कृति के प्रति चिन्ता व्यक्त की। दिशा ग्रोवर ने ह्लशब्दों की शैतानीह्व सहित अपनी प्रमुख बालकविताओं का पाठ किया। डॉ वेद मित्र शुक्ल ने ह्लबंदर मामा का कम्पुटर,ह्व ह्लमैट्रो रेलह्व आदि बालरचनाएं सुनाते हुए आजादी के अमृत महोत्सव

पर रानी गाइदिन्ल्यू पर अपनी बालकविता प्रस्तुत की और कहा बच्चो जाए साहित्य में अभी अनेक देशभक्तों को जोड़ा जाना बाकी है।

इसी क्रम में वीर गाथाओं के रचनाकार ऋषिराज ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन अनुज नैय्यर की गाथा सुनाते हुए बच्चों को देशभक्ति के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ बालसाहित्यकार घमंडी लाल अग्रवाल ने भी गिनती, जोकर, गधे जैसे विषयों पर अपनी लोकप्रिय बालरचनाएं पढीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रकाशन विभाग से जुड़े रहे वरिष्ठ संपादक श्री

शर्मा ने सभी अतिथि बालसाहित्यकारों की रचनाओं से खुद को जोड़ते हुए अपनी बालगजले पढीं। बालसहिती नाम से रचनापाठ कार्यक्रम का सफल संचालन साहित्य अकेदमी के वरिष्ठ संपादक व साहित्यकार कुमार अनुपम द्वारा किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में बच्चे और बालसाहित्यकार उपस्थित रहे।